रामकृष्ण हेगड़े कौशल विकास केंद्र

(कोंकण रेल अकादमी की एक इकाई)

सॉफ़्ट कौशल विकास में प्रशिक्षण

कोंकण रेलवे रेल मंत्रालय का एक सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है जो अपनी निर्माण विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है, जिसने कोंकण इलाके में अब तक असंभव समझी जाने वाली एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण 741 किमी रेल मार्ग बनाया है। कोंकण रेलवे भारत के सभी क्षेत्रीय रेलवे के बीच अद्वितीय है। निर्माण से संबंधित विशिष्ट विशेषताओं, जैसे कि एशिया का सबसे लंबा वाइडक्ट, सबसे लंबा रेलवे पुल, महाद्वीप की सबसे लंबी सुरंग इत्यादि के अलावा कोकण रेलवे ने अभिनव और कुशल प्रबंधन प्रथाओं के बाद विश्व बैंक और जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बैंक द्वारा रेलवे के लिए एक बेंचमार्क एवं बहुत ही कुशल रेलवे संगठन होने के लिए भी एक प्रतिष्ठा अर्जित की है|

अपने विकास और पेशेवर उत्कृष्टता के मिशन को ध्यान में रखते हुए, यह कोकण रेलवे का प्रयास रहा है कि कोकण क्षेत्र और उसके लोगों को निगम की सफलता की यात्रा के साथ ले जाया जा सके। इसके लिए, कोकण रेलवे ने अपने कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी प्रोग्राम के तहत विभिन्न गतिविधियों की शुरुआत की है, जैसे: प्रवासी पक्षियों को अधिकाधिक आकर्षित करने और उनके घोंसले और बसेरा बनाने के लिए गोवा के करंबोलिम झील में सुविधाओं का विस्तार, कोकण रेलवे मार्ग के साथ 20 स्कूलों में बालिका छात्रों के ड्रॉपआउट दर को कम करने लिए अलग शौचालयों का निर्माण, रेलवे के नजदीक के ग्रामीणों को कंप्यूटर साक्षरता प्रदान करने के लिए निगम की 'कोंकण रेल शिक्षा अभियान' पहल के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत, जिसके द्वारा 2011 से अब तक हजारों ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया है।

इस क्षेत्र के विकास की दिशा में एक और सकारात्मक कदम उठाते हुये कोकण रेलवे ने अब नौकरी की संभावनाओं को बेहतर बनाने के लिए नियोक्ता आयु के युवा लोगों को नरम कौशल में प्रशिक्षण देने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया है। 2016 से चल रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कॉर्पोरेट व्यक्तित्व, स्वयं प्रस्तुति तकनीकों में वांछित कौशल तथा कौशल एवं नौकरी के अवसरों की तलाश के लिए उपलब्ध विभिन्न क्षेत्रों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मॉड्यूल का मिश्रण है।

भारत की जनगणना के अनुसार, अकेले उडुपी जिले में, कुल श्रमिकों में से 73 प्रतिशत से अधिक कृषि और घरेलू उद्योगेतर क्षेत्रों में लगे हुए हैं। उत्तर कन्नड़ जिले के लिए यह आंकड़ा 60 प्रतिशत और दक्षिणी कन्नड़ जिले के लिए 74 प्रतिशत है। कर्नाटक भारत के कुछ प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों, भारत के प्रमुख विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान केंद्रों, आईटी कंपनियों, बैंकों और उद्योगों के लिए विनिर्माण केंद्र है तथा इन निजी और सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में अपनी संभावनाओं को तलाशने वाले युवा लोग काफी महत्वपूर्ण हैं। यही कारण है कि इन नरम कौशल को अंतर्निहित करना और उन्हें इन उद्योगों के लिए सही फिट होने के लिए परिमार्जित करना इन स्थानों के युवाओं की गहन इच्छा है।

उडुपी में एवं इसके आसपास अनेक कोचिंग संस्थान हैं, लेकिन वे वाणिज्यिक प्रकृति के होने के बाद से अधिक प्रभाव नहीं लेते हैं। कोकण रेलवे प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित एवं प्रतिबद्ध संकाय प्रदान करता है और 18 से 25 वर्ष के आयु वर्ग के युवा वर्गों की नियोक्ता संभावनाओं में सुधार के एकमात्र उद्देश्य के साथ नि: शुल्क कर रहा है। प्रशिक्षुओं को संकायों के समृद्ध अनुभव एवं ज्ञान आधार का लाभ मिलता है। यदि प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद वे किसी

विशेष मॉड्यूल के लिए फिर से नामांकन करना चाहते हैं, तो ऐसा करने के लिए वे स्वतंत्र हैं। वे कॉर्पोरेट क्षेत्रों में प्रवेश करने और बढ़ने के लिए आत्मविश्वास के स्तर और तकनीकों को बढ़ाते हैं और सफल उद्यमी बनते हैं। सभी प्रशिक्षुओं के लिए कोई भी फीस नहीं ली जाती है।

कोंकण रेल अकादमी के बारे में:

कोंकण रेलवे में मडगांव में अपनी अकादमी और कर्नाटक के भटकल और मैंगलोर में केंद्रों के साथ एक पूर्ण प्रशिक्षण विभाग है। अकादमी, अपने कर्मचारियों के लिए ज्ञान क्षेत्र-विशिष्ट मॉड्यूल से लेकर व्यक्तित्व विकास तक के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करती है। कोकण रेलवे के 5000 से अधिक कर्मचारियों को इन प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से प्रशिक्षण का लाभ मिलता है। इसके अलावा, प्रशिक्षण विभाग द्वारा कोंकण रेलवे के विभिन्न स्थानों पर कार्यकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

हमारे सहयोगी बनें:

कोंकण क्षेत्र के युवाओं को मुलायम कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कोकण रेलवे द्वारा शुरू किये गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों द्वारा युवा वर्गों को विभिन्न क्षेत्रों के लिए उपयुक्त बनाने और रोजगार दर में सुधार करने की एक असीम संभावना है। उद्योगों को उन लोगों को भर्ती करने का लाभ मिलता है जो कॉर्पोरेट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्हें प्रशिक्षण देने के लिए अतिरिक्त लागत के बिना अच्छी पोस्ट लेने के लिए तैयार हैं। यह एक मिशन मोड प्रोजेक्ट है जो हजारों परिवारों और उद्योग को लाभान्वित करेगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक धन या संकाय के संदर्भ में मूल्यवान योगदान के माध्यम से आप इस मिशन कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं। अब तक लगभग **8273** युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है। सोसायटी को दिए गए योगदान को आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के तहत कटौती के रूप में दावा किया जा सकता है। इसका लाभ उठाने के लिए, आप सोसायटी के सचिव से संपर्क कर सकते हैं।

साथ में हम क्षेत्र के युवाओं की नियोक्ता संभावनाओं को बढ़ाने में ठोस प्रभाव डाल सकते हैं।

*****

16 नवंबर, 2015 को

माननीय रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु द्वारा

उडुपि में रामकृष्ण हेगडे कौशल विकास केंद्र का शिलान्यास

15 फरवरी, 2016 को श्री संजय गुप्ता,
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, कोंकण रेलवे द्वारा
रामकृष्ण हेगडे कौशल विकास केंद्र, उडुपि में सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण की शुरुआत|

गणमान्य व्यक्तियों द्वारा कार्यक्रम स्थल पर शुभ दीप प्रज्वलन कार्यक्रम

के.आर.सी.एल. कर्मचारियों के बच्चों द्वारा प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरूआत

कार्यक्रम स्थल पर पारंपरिक फूल रंगोली बनाते हुए के.आर.सी.एल. परिवार के सदस्य

सी.एम॰डी.के/.आर.सी.एल. प्रशिक्षण कार्यक्रम के संकाय सदस्यों के साथ चर्चा कराते हुए